यूपी में 12,500 करोड़ रुपये से बदलेगी रेलवे की सूरत

उत्तर, पूर्वोत्तर और उत्तर मध्य रेलवे को इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के निर्देश

नीरज 'अम्बुज'

आरडीएसओ में रिसर्च और रायबरेली कोच फैक्टरी बढ़ाया जाएगा उत्पादन

ऐसे मजबूत होगा यूपी में रेल नेटवर्क

कार्य	उत्तर रेलवे	पूर्वोत्तर रेलवे	उत्तर मध्य रेलवे
पटरी दोहरीकरण	520 करोड़	551 करोड़	1464 करोड़
सुरक्षा	480 करोड़	365 करोड़	856 करोड़
यात्री सुविधाएं	112 करोड़	187 करोड़	147 करोड़
यातायात सुविधाएं	180 करोड़	78 करोड़	85 करोड़
कर्मचारी कल्याण	28 करोड	15 करोड़	25 करोड़

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रेलवे नेटवर्क को मजबूत करने के लिए बजट में 12,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसे नई ट्रैक बिछाने, सुरक्षा व यात्रियों सुविधाएं बढ़ाने से लेकर हाईस्पीड ट्रेनों के लिए नेटवर्क तैयार करने पर खर्च किया जाएगा। बजट में छोटे रेलवे स्टेशनों के विकास का खास ध्यान रखा गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में रेलवे के लिए कुल 1,40,367 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इनमें से 12,500 करोड़ रुपये की धनराशि यूपी में रेलवे की मौजूदा व भावी योजनाओं को पूरा करने व रेल नेटवर्क को मजबूत करने आवंटित की गई है। प्रदेश में पूर्वोत्तर रेलवे का लखनऊ मंडल, वाराणसी व इज्जतनगर मंडल और उत्तर रेलवे का लखनऊ व मुरादाबाद मंडल ट्रेनों का संचालन करता है। इसी तरह उत्तर मध्य रेलवे के इलाहाबाद, झांसी व आगरा डिवीजन भी यूपी में आता है।

बजट में पूर्वोत्तर रेलवे को कुल 3133 करोड़ रुपये मिले हैं। उत्तर रेलवे के दो मंडलों के लिए करीब चार हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पूरे किए जाएंगे। उत्तर मध्य रेलवे को 5123 करोड़ रुपये, आरडीएसओ में अनुसंधान को बढ़ावा देने व नई प्रयोगशालाओं के लिए 51 करोड़ रुपये और रायबरेली रेल कोच फैक्टरी को 138 करोड़ रुपये उत्पादन बढ़ाने के लिए मिले हैं। इसी तरह वाराणसी लोकोमोटिव वर्कशॉप को 54.76 करोड़ रुपये बजट में दिए गए हैं।